Candidate Marks Report

Series : Mar-Apr 2017

This candidate's script has been assessed using On-Screen Marking. The marks are therefore not shown on the script itself, but are summarised in the table below.

Centre No :	RPSC	Assessment Code :	Paper - IV_2
Candidate No :	411693	Component Code :	01
Candidate Name :	NONAME		

Total Marks :	**117 / 200**

In the table below 'Total Mark' records the mark scored by this candidate.
'Max Mark' records the Maximum Mark available for the question.

Paper:	8006A
Paper Total:	117 / 200
Question	**Total Mark / Max Mark**
1	2 / 2
2	2 / 2
3	2 / 2
4	2 / 2
5	2 / 2
6	1 / 2
7	2 / 2
8	2 / 2
9	2 / 2
10	1 / 2
11	1 / 2
12	2 / 2
13	2 / 2
14	1.5 / 2
15	1.5 / 2
16	2 / 2
17	2 / 2
18	2 / 2
19	2 / 2
20	1 / 2
21	2 / 2
22	1.5 / 2
23	1.5 / 2
24	1 / 2
25	1 / 2
PartB1	4 / 10
PartB2	4 / 10
PartB3	5 / 10
PartB4	5 / 10
PartB5	5.5 / 10
PrtC1	3 / 10
PrtC2	5 / 10
1	0 / 1

2	0 / 1
3	1 / 1
4	0 / 1
5	1 / 1
6	0 / 1
7	1 / 1
8	1 / 1
9	1 / 1
10	1 / 1
11	1 / 1
12	1 / 1
13	1 / 1
14	1 / 1
15	1 / 1
16	1 / 1
17	1 / 1
18	1 / 1
19	1 / 1
20	1 / 1
21	1 / 2
22	1 / 2
23	1 / 2
24	1 / 2
25	1.5 / 2
26	2 / 2
27	2 / 2
28	0 / 2
29	0 / 2
30	0 / 2
31	4 / 10
32	4.5 / 10
33	4.5 / 10
34	5 / 10

59286

PART - I

Paper Code

P-4

411693

IMPORTANT NOTES
महत्त्वपूर्ण निर्देश

(A) Please fill up the OMR Sheet of this Question-Answer Booklet properly before answering.
प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रश्न हल करने से पूर्व उसके संलग्न ओ.एम.आर. पत्रक को भली प्रकार से भर लें ।

(B) The question paper is divided into different unit and parts. The number of questions to be attempted and their marks are indicated in each unit and parts.
प्रश्न-पत्र विभिन्न यूनिट एवं भागों में विभाजित है । प्रत्येक यूनिट एवं भाग में से किये जाने वाले प्रश्नों की संख्या और उनके अंक उस यूनिट एवं भाग में अंकित किये गए हैं ।

(C) Attempt answers either in **Hindi or English**, not in both. For Language Papers, answer in concerned language and script, unless directed otherwise to write in Hindi or English specifically.
उत्तर **अंग्रेजी या हिन्दी** भाषा में से किसी एक में दीजिये, दोनों में नहीं । भाषा विषयक प्रश्नों के उत्तर उनकी संबद्ध भाषा व लिपि में ही दिए जाएँ, जब तक कि प्रश्न विशेष के लिए अलग से हिंदी या अंग्रेजी में उत्तर देने के लिए न लिखा गया हो ।

(D) The candidates should not write the answers beyond the prescribed limit of words; failing this, marks will be deducted.
अभ्यर्थियों को अपने उत्तर निर्धारित शब्दों की सीमा से अधिक नहीं लिखना चाहिए । इसका उल्लंघन करने पर अंक काटे जायेंगे ।

(E) Please write answers only in the prescribed space of booklet. Do not write any mark of identity inside the Answer Script (including Paper for rough work) i.e. name, address, telephone number, Name of God etc. or any irrelevant words other than the answer of question. Such act will be treated as unfair means. The Commission may also deduct 5 marks from the marks obtained, if Roll Number is not filled correctly on the O.M.R. Sheet.
किसी भी प्रश्न का उत्तर प्रश्नोत्तर पुस्तिका में निर्धारित स्थान पर ही लिखें । प्रश्नोत्तर पुस्तिका (रफ कार्य के पृष्ठ सहित) के अंदर कहीं पर भी अपना नाम, रोल नंबर अथवा अन्य कोई पहचान चिह्न यथा -- प्रश्नोत्तर में नाम, पता, दूरभाष नंबर, देवताओं के नाम अथवा अन्य कोई भी प्रश्नोत्तर से असम्बंधित शब्द, वाक्य एवं अंक आदि न लिखें । ऐसा करने पर आयोग द्वारा इसे अनुचित साधन अपनाने का कृत्य माना जायेगा । ओ.एम.आर. पत्रक पर रोल नम्बर का त्रुटिपूर्ण अंकन करने पर आयोग द्वारा उसके प्राप्तांकों में से 5 अंक भी काटे जा सकते हैं ।

(F) Candidates are directed that they should not write (answer) out side the border line in every page. Answer written out side the border line will not be checked by the Examiner.
अभ्यर्थियों को निर्देशित किया जाता है कि प्रश्नोत्तर पुस्तिका में प्रत्येक पृष्ठ में बनाई गई बार्डर लाईन से बाहर प्रत्युत्तर नहीं लिखें । बार्डर लाईन के बाहर लिखे गये उत्तर को परीक्षक द्वारा जाँचा नहीं जायेगा ।

(G) If there is any sort of ambiguity/mistake either of printing or factual nature then out of Hindi and English version of the question, the English version will be treated as standard.
यदि किसी प्रश्न में किसी प्रकार की कोई मुद्रण या तथ्यात्मक प्रकार की त्रुटि हो तो प्रश्न के हिन्दी तथा अंग्रेजी रूपान्तरों में से अंग्रेजी रूपान्तर मान्य होगा ।

(H) The Question-Answer Booklet is provided in a sealed envelope to the candidate. Candidate must sign the declaration as per directions printed on the envelope and return it to the invigilator.
अभ्यर्थी को प्रश्नोत्तर पुस्तिका सीलबंद लिफाफे में प्रदान की गई है । अभ्यर्थी लिफाफे पर अंकित निर्देशों को पढ़कर घोषणा पर हस्ताक्षर कर लें और उसे अभिजागर को वापस कर दें ।

(I) Candidate should fill up all desired details on this attached OMR sheet of Question-Answer Booklet with **blue** ball point pen. Please ensure that this OMR Sheet is not torn or damaged.
अभ्यर्थी प्रश्नोत्तर पुस्तिका के ऊपर संलग्न इस ओ.एम.आर. पत्रक पर सभी वांछित विवरण **नीले** बॉल पेन से सावधानीपूर्वक भरें । ध्यान रखें कि यह ओ.एम.आर. पत्रक कहीं से कटे-फटे नहीं अथवा किसी भी प्रकार से क्षतिग्रस्त नहीं हो ।

(J) This **OMR** Sheet consists of **Two** parts, in which some information is pre-printed; remaining details have to be filled by the candidate.
यह **ओ.एम.आर.** पत्रक **दो** भागों में बंटा है, जिसमें कतिपय सूचनाएँ पूर्वमुद्रित हैं । शेष की पूर्ति अभ्यर्थी को करनी है ।

(K) If the Question-Answer Booklet is torn or not printed properly, bring it to notice of invigilator and change the Question-Answer booklet, otherwise the candidate will be liable for that.
यदि प्रश्नोत्तर पुस्तिका कहीं से कटी-फटी या अमुद्रित है, तो अभिजागर के ध्यान में ला दें तथा उसे बदलवा ले, अन्यथा उसका दायित्व अभ्यर्थी का होगा ।

विशेष नोट :
अभ्यर्थी द्वारा यदि ओ.एम.आर. पत्रक पर गलत सूचना भरी जाती है या उसे किसी प्रकार की क्षति पहुँचाई जाती है अथवा उस पर किसी प्रकार का पहचान चिह्न अंकित किया जाता है, तो आयोग द्वारा संपूर्ण परीक्षा हेतु अभ्यर्थिता निरस्त की जा सकेगी और उसके लिए अभ्यर्थी उत्तरदायी होगा ।

Special Notes :
If there is any wrong information filled by the candidate or any attempt is made to damage it or any marking as identification is done, then his candidature for the entire examination shall be rejected by the commission, for which he will be liable.

SPACE FOR ROUGH WORK

PAPER – IV GENERAL HINDI & GENERAL ENGLISH

(Total 200 Marks)
(Total 66 Questions)

Unit – I
(यूनिट – I)
(120 Marks)
(120 अंक)

सामान्य हिन्दी

Part – A
भाग – अ
Marks : 50
अंक : 50

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें । प्रत्येक प्रश्न के **2** अंक हैं ।

1. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए :
   (i) चित् + मय
   (ii) गति + अवरोध
   (iii) प्र + आंगन
   (iv) सुधा + अंशु

1. चिन्मय ½
2. गत्यवरोध ½
3. प्रांगण ½
4. सुधांशु ½

2. निम्नलिखित शब्दों की संधि कीजिए :
   (i) भू + ऊर्ध्व
   (ii) अनु + छेद
   (iii) अति + उत्तम
   (iv) सह + उदर

1. भूर्ध्व ½
2. अनुच्छेद ½
3. अत्युत्तम ½
4. सहोदर ½

3. निम्नलिखित शब्दों का संधि-विच्छेद कीजिए :

(i) रामायण

(ii) सहोदर

(iii) लोकेतर

(iv) शूर्पणखा

1. राम + अयन ✓½

2. सह + उदर ✓½

3 लोक + इतर ✓½

4 शूर्प + नखा ✓½

4. निम्नलिखित उपसर्गों के संयोग से 2-2 शब्द बनाइए :

(i) गैर

(ii) कु

1. गैर हाजिर ✓½, गैर सरकारी ✓½

2. कुत्सित ✓½, कुरूप ✓½

5. निम्नांकित शब्दों में से उपसर्ग अलग कीजिए :

(i) परीक्षा

(ii) उत्थान

(iii) प्रमाण

(iv) पर्याप्त

(1) परि ✓½

(2) उद् ✓½

३. प ½

५. परि ½

6. निम्नांकित शब्द और प्रत्यय के योग से सही शब्द बनाइए :

(i) घूम + अक्कड़

(ii) मृ + अन

(iii) पट् + अनीय

(iv) उत् + नति

१. घुमक्कड़ 0

२. मृण 0

३. पठनीय ½

४. उन्नति ½

7. निम्नांकित शब्दों में से प्रत्यय अलग कीजिए :

(i) दिखावा

(ii) कायिक

(iii) औदार्य

(iv) मित्रता

१. आवा ½

२. इक ½

३. य ½

४. ता ½

8. निम्नांकित शब्द-युग्म का अर्थ-भेद स्पष्ट कीजिए :
   (i) अजर-अजिर
   (ii) ऋत-ऋतु

1. अजर - जिसे बुढ़ापा न आवे (देवता) ½
   अजिर - आंगन ½

2. ऋत - सत्य ½
   ऋतु - वर्षा ऋतु (मास) ½

9. निम्नांकित शब्द युग्म का अर्थ भेद स्पष्ट कीजिए :
   (i) खर - खंरा
   (ii) देव - दैव

1. खर - गधा ½
   खरा - विशुद्ध ½

2. देव - देवता ½ ½
   दैव - भाग्य

10. निम्नांकित वाक्यांशों के लिए एक सार्थक शब्द लिखिए :
   (i) उत्तर और पूर्व के बीच की दिशा
   (ii) वह जमीन जिसमें अच्छी पैदावार हो ।

1. ईशान 1
2. ऊसर (उपजाऊ) 0

11. निम्नांकित वाक्यांशों के लिए सार्थक शब्द लिखिए :
   (i) जानने की इच्छा रखने वाला
   (ii) सप्ताह-सप्ताह में होने वाला

1. जिगीषु 0

2. साप्ताहिक ✓1

12. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए :
   (i) किसी और दूसरे से परामर्श लीजिए ।
   (ii) ये इस जिले के लब्ध प्रतिष्ठित व्यक्ति है ।

✓1

1. किसी और से परामर्श लीजिए।

2. ये इस जिले के लब्ध प्रतिष्ठ व्यक्ति हैं।

✓1

13. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए :
   (i) आप मेरे ऊपर भरोसा कर सकते हैं ।
   (ii) वे अपने आत्म-सम्मान की रक्षा करना चाहते हैं ।

✓1

1. आप मुझ पर भरोसा कर सकते हैं।

2. वे अपने सम्मान की रक्षा करना चाहते हैं।

✓1

14. निम्नलिखित शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए :

(i) संग्रहित (ii) निरोग

(iii) वापिस (iv) मिस्ठान

1. ~~संग्रहित~~ संग्रह
2. नीरोग
3. वापस
4. ~~मिष्ठान्न~~ मिष्टान्न

15. निम्नांकित प्रत्येक अंश में से शुद्ध शब्द छाँटिए :

(i) श्रंगार, चिह्न, अनुग्रहीत

(ii) आह्वान, त्यौंहार, दुरावस्था

(iii) गत्यावरोध, प्रतिनीधि, वीभीषण

(iv) मोलिक, उज्जवल, व्यावहारिक

1. चिह्न
2. आह्वान
3. प्रतिनीधि
4. व्यावहारिक

16. निम्नांकित मुहावरों का वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए :

(i) अक्ल का दुश्मन (स्वयं का अहित करना।) (ii) आँखें चार होना (प्यार होना।)

1. राम जिस डाली पर बैठा है उसी को काट रहा है, यह अक्ल का दुश्मन हो गया लगता है।

2. सीता को देखते ही राम की आँखें उनसे चार हो गई।

17. निम्नांकित मुहावरों का वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए :
(i) काठ का उल्लू (निपट मूर्ख) (ii) जड़ जमाना (फैलाव)

1. नीरज कोई काम सही ढंग से नहीं करता वह काठ का उल्लू है। ✓1

2 आतंकवाद धीरे- धीरे सारे विश्व में अपनी जड़े जमा रहा है। ✓1

18. निम्नलिखित लोकोक्तियों का वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए :
(i) आगे कुआँ पीछे खाई (दोनों तरफ संकट)
(ii) आधा तीतर आधा बटेर (बेमेल)

1. भारत एक तरफ से पाकिस्तान तो दूसरी तरफ से चीन से घिरा हुआ है यानि आगे कुआँ पीछे खाई। ✓1

2. रवि ने टी-शर्ट के नीचे धोती पहनी हुई है यानि आधा तीतर आधा बटेर। ✓1

19. निम्नांकित लोकोक्तियों का वाक्यों में सार्थक प्रयोग कीजिए :
(i) कर ले सो काम, भज ले सो राम (समय पर किया कार्य अच्छा)
(ii) तबेले की बला बंदर के सिर (किसी का अपराध दूसरे पर मढना)

1. पहले दिन ही मैंने आर.पी.एस.सी की परीक्षा के लिए निवेदन कर दिया यानि कर ले सो काम, भज ले राम। ✓1

2. अपराध राम ने किया और सजा श्याम को दे दी यानि तबेले की बला बंदर के सर ✓1

20. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिंदी शब्द लिखिए :
(i) CORRIGENDUM
(ii) ACCOUNTABILITY

1. शुद्धि पत्र ✓1
2. दायित्व 0

21. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों के समानार्थक हिन्दी शब्द लिखिए :
(i) INTEGRITY
(ii) MINUTES

1. सत्यनिष्ठा ✓1
2. कार्यवृत्त ✓1

22. निम्नलिखित शब्दों के चार-चार पर्यायवाची लिखिए :
(i) अश्व
(ii) घर

अश्व - घोड़ा, तुरंग, हय. ✓½
घर - आवास, निवास, निकेतन, मकान ✓1

23. निम्नांकित शब्दों के चार-चार पर्यायवाची लिखिए :

(i) हंस

(ii) बादल

हंस- मराल, चक्रांग, सारंग

बादल- मेघ, नीरद, जलद, अंबुद

24. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

(i) आविर्भाव

(ii) ईप्सित

1. तिरोभाव

2. अनिच्छित

25. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए :

(i) पौरत्स्य

(ii) स्वकीय

1. पूर्वीय

2. परकीय

Part – B
भाग – ब

Marks : 50
अंक : 50

1. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक दीजिए तथा लगभग एक-तिहाई शब्दों में संक्षिप्तीकरण कीजिए :

अंक : 2 + 8 = 10

जीवित रहना स्वयं एक कर्म है । जो जीवित है, वह कर्म करेगा ही । कर्म रहित स्थिति मृत्यु है । महत्त्वपूर्ण बात तो यह है कि हर मनुष्य को अपने स्वभाव और योग्यता के अनुसार अथवा यों कहो कि स्वधर्मानुसार कर्म का चयन करने में स्वतंत्रता होनी चाहिए । जो कर्म मनुष्य की योग्यता और स्वभाव के अनुकूल होगा, वही उसके लिए शुभ भी होगा । उसी कर्म को पवित्र और नि:स्वार्थ भाव से करना अपने साथ मित्रता निभाना है । जो अपने से मित्रता करता है वह दूसरों का भी प्रिय हो जाता है और जो स्वयं से शत्रुता करता है वह शत्रुओं से घिरा रहता है । बाह्य शत्रुओं की अपेक्षा आंतरिक शत्रु अधिक खतरनाक होते हैं । इनसे छुटकारा पाने के लिए और स्वतंत्रतापूर्वक सुखी जीवन बनाने के लिए कर्म की पहेली समझ लेनी चाहिए तथा शत्रु-दमन का नहीं, अपितु आत्म-समन्वय का मार्ग अपनाना ही जीवन के लिए श्रेयस्कर सिद्ध हो सकता है । अपनी निजी मौलिक आवश्यकताओं की पूर्ति के अतिरिक्त दूसरों की सुख-सुविधाओं का पूर्ण ध्यान रखते हुए जो भी कर्म किया जाएगा, वह जीवन के श्रेष्ठतम विकास में अवश्य सहयोगी होगा । यही अध्यात्म का पथ है ।

शीर्षक- जीवन एक कर्म ।

कर्म रहित जीवन मृत्यु समान है; व्यक्ति को अपने स्वभाव और योग्यता के अनुसार कर्म करना चाहिए तथा इसमें नि:स्वार्थ भाव को जोड़ना स्वयं मित्रता करना है तथा ऐसा कर वह दूसरों के लिए प्रिय हो जाता है। आंतरिक शत्रुता बाह्य शत्रुता से अधिक घातक है तथा इससे छुटकारा पाने के लिए आत्म-समन्वय के मार्ग को चुनना होगा। अपने साथ दूसरों के हितों को ध्यान में रखकर किया कर्म सर्वोत्तम विकास में सहायक होगा।

4

2. निम्नलिखित सूक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए विस्तार कीजिये । (**शब्द सीमा** : लगभग **150** शब्द) **अंक 10**

"करत-करत अभ्यास के, जड़मति होत सुजान ।"

मुख्यार्थ - लगातार अभ्यास करने पर मूर्ख भी विद्वान बन जाता है।

पल्लवन - उपर्युक्त सूक्ति में व्यंजना शब्द-शक्ति है, इसका व्यंग्यार्थ यह है कि यदि व्यक्ति निरंतर प्रयास करता रहे तथा कभी हार नहीं माने तो लक्ष्य चाहे कितना भी जटिल क्यों न हो, वह प्राप्त हो कर रहता है।

महात्मा गाँधी ने अपने सतत् प्रयास व कभी न हार मानने वाले दृढ़संकल्प से अंग्रेजी नींव को हिला दिया, अनेक बाधाओं तथा यातनाओं को सहते हुए भारत को आजादी दिलाई।

हिन्दी भाषा की सूक्तियाँ अपने आप में जीवन के सुदीर्घ अनुभवों का निचोड़ होती हैं, इनमें मनोविज्ञान तथा प्रबंधन के सिद्धांत का प्रयोग होता है, इनके भाव को आत्मसात् करके हम अपने जीवन तथा समाज के परिवेश को अधिक सुखद बना सकते हैं, यही उपर्युक्त सूक्ति का भाव है।

✓4

3. पुलिस अधीक्षक अजमेर को एक पत्र लिखिये, जिसमें जिले में बढ़ रहे अपराधों को नियंत्रित करने का अनुरोध हो। अंक 10

क, ख, ग
परीक्षा भवन
अजमेर।

पुलिस अधीक्षक
अजमेर
दिनांक: २८ मार्च, २०१७

विषय: जिला अजमेर में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर रोक हेतु।

संदर्भ: राजस्थान समाचार में प्रकाशित खबर दिनांक २७ मार्च, २०१७।

महोदय,

उपर्युक्त संदर्भ में निवेदन है कि हमारे जिले में आए दिन अपराधों में इजाफ़ा हो रहा है। चैन स्नैचिंग, लूट व महिलाओं के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की घटनाओं के कारण शहर का नाम राज्य में कुख्यात हो गया है।

हाल ही में हुई लूट की घटना जिसमें वृद्ध दम्पत्ति को मारकर उनका सारा सामान ले जाने वाला प्रकरण सामने आया है, शहर

में भय का वातावरण बना हुआ है। आज प्रत्येक नागरिक अजमेर जिले में अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रहा है।

इस संबंध में आपसे निवेदन है कि तुरन्त आवश्यक कार्यवाही कर पुलिस चौकसी बढ़ाई जाए, अपराधियों को तुरन्त पकड़ा जाए तथा महिलाओं व वृद्धों को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान कर शहर को अपराध मुक्त करने की दिशा में ले जाया जाए।

सधन्यवाद

संलग्न: संदर्भित पत्र की छाया प्रतिलिपि। ✓5

भवदीय
(क ख ग)
नाम - क ख ग

4. एक अर्द्ध शासकीय पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए, जिसमें किसी कुलपति, विश्वविद्यालय के द्वारा इतिहास विषय के आचार्य को नवीन पाठ्यक्रम हेतु पुस्तक सूची तैयार करने हेतु आदेशित किया गया हो । **अंक 10**

~~राजस्थान सरकार~~

~~शासन सचिवालय~~

~~जयपुर ।~~

~~प.क्र. 8(क)/ शा॰ स/ स्था/2016/18~~ ~~दिनांक 28 मार्च 2017~~

राजस्थान सरकार

कुलपति राजस्थान विश्वविद्यालय
जयपुर ।

प क्र. 8(क)/शा.वि/स्था/2016 दिनांक 28 मार्च 2017

प्रिय श्री च छ ज,

हाल ही में राजस्थान सरकार द्वारा इतिहास विषय में व्यापक बदलाव कर पाठ्यक्रम में नवीनता लाई गई है। इस संबंध में सभी कुलपतियों को यह निर्देश दिए गए हैं कि जल्द से जल्द नवीन पाठ्यक्रम हेतु पुस्तक सूची तैयार की जाए ताकि आने वाले शैक्षणिक सत्र में विद्यार्थियों को पुस्तकें उपलब्ध कराई जा सकें।

इस संदर्भ में आपसे यह आशा की जाती है कि शीघ्र ही नवीन पाठ्यक्रम

5

पर पुस्तक सूची तैयार कर भिजवायी जाए।

शुभकामनाओं सहित।

शुभेच्छु
(क ख ग)
नाम. क ख ग
कुलपति

च छ ज
आचार्य- इतिहास
राजस्थान विश्वविद्यालय।

5. स्वयं को जिला शिक्षा अधिकारी अ, ब, स मानते हुए अपने अधीनस्थ संस्थाओं के लिए आवश्यक लेखन तथा अन्य सामग्री की आपूर्ति हेतु एक निविदा का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए । **अंक 10**

राजस्थान सरकार

जिला शिक्षा विभाग

अ ब स ।

प० क्र २८(क)/जि.शि.वि/ले०/२०१७/३। दिनांक: २८ मार्च, २०१७

निविदा सूचना संख्या : २०/१७

जिला शिक्षा विभाग, अ बस की अधिनस्थ संस्थाओं के लिए निम्नलिखित लेखन तथा अन्य सामग्री की खरीद हेतु अधिकृत निविदा दाताओं से मोहरबंद निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क जमा कर अधोलिखित कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। जिसकी जमा कराने की अंतिम तिथि 10 अप्रैल, 2017 सांय 6 बजे तक है।

क्र०सं०	वस्तु विवरण	संख्या	दर (₹)	अनु. राशि	अमानत राशि (20%)	निविदा खोलने की तारीख व समय
1.	कुर्सी	1000	500	500,000	100,000	दिनांक 11 अप्रैल, 2017
2.	पेंसिल	1000 बाक्स	20	20,000	4,000	सुबह 10 बजे
3.	बोर्ड	50	1000	50,000	10,000	

शर्तें : 1. किसी भी निविदा को स्वीकृत या अस्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षर-कर्ता को होगा।

2. विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र जिला एवं सत्र न्यायालय अ ब स होगा।

✓½

✓5

क ख ग
(नाम - क ख ग)
जिला शिक्षा अधिकारी

Part – C
भाग – स

Marks : 20
अंक : 20

निम्नांकित विषयों पर निबंध लिखिए : (शब्द सीमा 100-150 शब्द) अंक 10

(1) जनसंचार माध्यम और हिंदी : दशा और दिशा

किसी भाषा का योगदान उसके संचार में प्रभावशाली माध्यम में उभर कर सामने आने से आंका जाता है। भाषा एक संचार का माध्यम ही तो है जिससे व्यक्ति अपने विचारों को शब्द और ध्वनि में पिरोकर दूसरे व्यक्ति व्यक्ति के सम्मुख प्रस्तुत करता है। इस दिशा में हिन्दी एक महती भूमिका निभाती है। भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली हिन्दी न केवल एक संचार का माध्यम है, वरन् यह विचारों के आदान-प्रदान का एक संगम भी है।

भारत में हिन्दी को राजकीय भाषा का दर्जा प्राप्त है। बावजूद इसके आज भी हमारे देश अंग्रेजी को अधिक बल दिया जाता है तथा हिन्दी को हेय दृष्टि से देखा जाता है।

अगर हम चीन का उदाहरण लें तो

देखेंगे कि किस प्रकार वहाँ बिना अंग्रेजी भाषा का अधिक प्रयोग किए कार्यकुशलता बरकरार रखी हुई है, तथा वह भी भारत की तरह विश्व की तेजी से उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। व्यक्ति के प्रथम विचार अपनी मातृभाषा में ही उभरते हैं; यदि हम अपनी कार्य प्रणाली में पूर्णतया हिन्दी को समाहित कर लें तो निश्चित रूप से इसके परिणाम सुखद होंगे तथा हमारी कार्य क्षमता में वृद्धि होगी।

यदि हम हिन्दी पर अधिक ध्यान देकर इसे दैनिक जीवन व कार्यप्रणाली में अपनाने पर ज़ोर दें तो निश्चित तौर पर ये हमारे समाज व राष्ट्र को नई दिशा प्रदान करेगी। ✓3

(2) भारत की वर्तमान विदेश नीति अंक 10

भारत सदैव ही शांतिपूर्ण सह अस्तित्व में विश्वास करने वाले राष्ट्र रहा है और यही हमारी विदेश नीति में भी परिलक्षित होता रहा है। एक दूसरे के आंतरिक मामलों में अहस्तक्षेप, व आपसी सहयोग सदैव ही हमारी विदेश नीति का भाग रहे हैं।

आज बदलते वैश्विक परिवेश तथा बदली हुई भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में हम उपर्युक्त नैतिक मूल्यों को अपनी विदेश नीति का अक्षुण्ण भाग बनाए हुए हैं। वर्तमान विदेश नीति में भारत का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपनी बात रखने तथा सभी देशों के साथ सौहार्दपूर्ण व्यापारिक संबंध बनाने पर केन्द्रित है।

हमने अपनी गुटनिरपेक्षता की नीति में बदलाव कर अब सभी गुटों व देशों के साथ संबंध स्थापित करने पर जोर दिया है ताकि हम अपनी अर्थव्यवस्था

को एक नए आयाम पर ले जा सके।
गुजराल नीति पर चलते हुए मोदी नीति का भी पूरा ध्यान छोटे-छोटे देशों, विशेषकर पड़ोसी मुल्कों से बिना प्रतिफल के उनकी मदद कर अपना वैश्विक वर्चस्व व उदारवादी छवि को विश्वपटल पर लाने पर है।

वर्तमान विदेश नीति में आर्थिक वृद्धि पर बल, आतंकवाद पर निशाना व अधिक से अधिक देशों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाना स्पष्टतया परिलक्षित होता है।

✓5

Unit – II
(यूनिट – II)
General English

(80 Marks)
(80 अंक)

Part – A

Marks : 20

Note : Attempt **all** questions. Each question carries **1** mark.

Identify the error/errors if any and rewrite the following sentences : **(Ques. No. 1-10)**

1. A virtuous are respected by all.

0

A virtuous is respected by all

2. Can I have any more sugar please ?

May I 0 have any more sugar please?

3. We were not invited for lunch.

1

We were not invited to lunch.

4. Write your name in the top of the page.

0

Write your name at the top of the page.

5. She is learning English for five years.

✓1 She has been learning English for five years.

0

6. She was playing the sitar when the bell was ringing.

She was playing sitar when the bell was ringing.

7. Walk fast lest you would miss the train.

✓1

Walk fast lest you should miss the train.

8. Should you like tea or coffee ?

would you like ✓1 tea or Coffee?

9. With what will you satisfied ?

with what ✓1 will you be satisfied

10. She said me she did not like tea.

She told me that ✓1 she did not like tea.

Choose the correct word/phrase : **(Ques. No. 11-15)**

11. The opposite of the word 'attract' is distract/repel.

Repel ✓1

12. The word 'delicious' is similar in meaning to the word tasty/flavoured.

Tasty ✓1

13. The antonym of the word wisdom is folly/experience.

folly ✓1

14. In the end he made up/made out his mind to go by train.

Made up ✓1

15. "To burn the midnight oil" means that someone studies at night with the help of an oil lamp/works late at night.

works late at night ✓1

Write one word substitutes for the following expressions : **(Ques. No. 16-18)**

16. A word or statement which can be interpreted in more than one way.

Ambiguous ✓1

17. Someone incapable of being corrected.

incorrigible ✓1

18. Impossible or very difficult to believe.

~~Absurd~~ Incredible ✓1

Select the correct word/phrase **(Ques. No. 19-20)**

19. We complimented/complemented the dancer after her outstanding performance.

Complimented ✓1

20. I met an imminent/eminent professor of English today.

eminent ✓1

Part – B

Marks : 30

(A) Read the passage given below and answer the questions that follow : **(Ques. No. 21-25)**

Marks : 5 × 2 = 10

Scientists tell us that without the presence of the cohesive force among the atoms that comprise this world, it would crumble to pieces and we would cease to be and even as there is cohesive force that binds matter so must there be in all things animate. The name for that cohesive force among animate beings is love. We have to learn to use that force and in the use of it consists our knowledge of God. Where there is love there is life; hatred leads to destruction. Only with love would a well-ordered society be intelligible and life worth living.

All the teachers that have ever lived have preached this law with more or less the same vigour. If love was not the law of life, life would not have persisted in the midst of death. Life is the perpetual triumph over the grave. If there is a fundamental distinction between man and beast, it is the former's progressive recognition of the law and its application and practice in his personal life. All the saints of the world, ancient and modern, approve of this supreme law of our being. That the brute in us seems so often to gain an easy triumph is true enough. But that does not disprove the law. It shows the difficulty of practicing it.

21. What's 'force' the writer is talking about ? How does it bind things animate ?

writer is talking about of Cohesive force of love, it bind things animate because where there is love there is life otherwise hatred leads to destruction

✓1

22. What according to the writer, does the knowledge of God consist in ?

Love and use of it Consists knowledge of God. ✓1

23. When and how would life be worth living ?

when there is love it would be a ^intelligible well-order Society & life be worth living ✓1

24. What would happen if love was not there ?

life would not have persisted in the midst of death ✓1

25. Give the meaning of the word 'triumph' and use it in a sentence of your own.

✓½

- Victory
- India triumph over England in the recently held Cricket Series.

Marks

(B) Translate the following sentences into English : **(Ques. No. : 26-30)** **5 × 2 = 10**

26. कार्यकारिणी समिति की बैठक की कार्यसूची सदस्यों को नहीं वितरित की गई है ।

Agenda ✓2 of meeting of ~~executive~~ working Committee has not been distibuted to members.

27. सड़क के बीच खेलना बच्चों के लिए सुरक्षित नहीं है ।

playing in middle of the road is not Safe for ✓2 Chiklern.

28. ज्वालामुखी आग उगल रहा है ।

0

Volcano is emitting fire.

29. क्या तुम सब मुझसे सहमत हो ?

Are you all agree with me?

0

30. वह इतना उदास क्यों लग रहा है ?

why is he looking so gloomy?

0

Marks

(C) Write a precis of the following passage and give a suitable title : **10**

31. If you were to ask various people the meaning of fitness, you would get different answers. Fitness is everything to most people, a precious commodity which enables us to live our lives to the full yet is really cherished only when it begins to fade away. To an older person, it might be a feeling of youthful vigour, to an athlete the capacity to run a mile in four minutes, to a stenographer the ability to type for eight hours at a stretch without developing aching shoulder muscles.

To a coach it is something that comes with training, to a physician it is a functional state of the body defined in technical terms. Fitness is all these things and more. It is strength, flexibility, agility, power, speed and muscular and cardiovascular endurance. It is the ability to enjoy our daily lives and to achieve our goals without undue fatigue or stress. It is having a reserve of physical stamina and strength for safety and the enjoyment of leisure activities. It is protection against degenerative diseases and feeling youthful even when we are growing old.

(184 Words)

Title- Meaning of Fitness

To various people fitness means an important commodity which enables them to to ~~love~~ live their at the fullest when they begin to fade away. for different people meaning of fitness is difference as per their age, & field of work. fitness is strength, agility & physical stamina which is strength for safe & joyful life. It allow us to enjoy our daily life & achieve goals without exhaustion. It is protection against disease & feeling of youthful for old.

✓4

Part – C Marks : 30

Marks

32. Write a paragraph on any **one** of the following in approximately 200 words : 10

(1) Generation Gap

(2) Women Empowerment

(3) Incredible India

Women Empowerment

women all over the world if we use the word of Aristotle are treated as "Secondary man". They have been neglected for Centuries & it is particularly true about Indian society where so many crimes against women are practiced such as female infanticide, foeticide, child marriage, dowry death etc. "Aadhi Aabadi" (Half population) that is the name we give to women but they are hardly given any rights. If half of our population is neglected our country can not sustain high economic development. women empowerment is necessary for both social & economic point of view

If we see the role of womans such as Angela Markel, Indra Nooyi, Indira Gandhi, P.V Sindhu etc in different sectors, we can see that they are not only doing good in their respective field but also outperforming the male counterpart. So, if women are given chance & their empowerment is facilitated, it would lead to empowerment of whole society. If they are provided quality education, nutrition & opportunities are given to them, they can immensely contribute in the development of a nation. So, the empowerment of women would lead to empowerment of whole world.

Marks

33. Elaborate any **one** of the following themes in approximately **150** words : **10**

(1) No pain no gain

(2) Cell phone is more than a phone

(3) Uneasy lies the head that wears the crown.

No pain no gain

It is rightly said that there is no gain without Suffering any pain i.e. Struggle. Struggle is very important for getting Success in life. All the great personalities in the world suffered pain through out their life & by doing so they earned name and fame. Mahatma Gandhi borned in rich family despite this he took the Cause of peasants and farmers, he got aquainted with rural life & lived among poor & Dalits. There onwards he aroused people from different Segment of Society and brought them into nationalist movement for freedom.

Through his indomitable will power & with all the suffering Gandhiji was at last succeeded in getting India freedom. By doing so he suffered lot pain but at last he is regarded as father of our nation. So, there is no pain then there is no gain.

Marks 10

34. Write a letter to the Municipal Commissioner of your city complaining about the poor sanitary conditions of your locality and the mosquito menace caused by this.

(150 Words)

OR

As a member of the State Pollution Control Board, write a report on the level of air pollution in and around your town.

xyz

Examination Hall,

Jaipur

March 28th, 2017

The Muncipal Commissioner

Jaipur

Reg. Improper Sanitary Conditions

Sir,

This is brought to your kind notice that Sanitory Condition of our locality i.e. ABC Colony is in very bad Conditions. Roads are full of digs and they become happy hunting grounds for mosquito in rainy Season. There is no proper drainage system & water is logged, Due to this is

all possibility of spreading health hazards such as Dengue, Malaria etc.

This is also informed to you that there is no repair work happening in time in our locality, further the neglect of muncipal employees towards our Locality aggravating the problem. In this regard, you are requested to kindly look into the matter and take Corrective action such as repairing of roads, proper Sewerage & drainage System along with regular visit of muncipal employees to prevent any untoward incident. I shall be highly obliged for your kind Consideration.

Thanking you.

Your's faithfully

xyz

(XYZ)

5

विभीषण

व्याख्या

व्याख्येय